रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 2 जनवरी, 2026

वर्ष 02 | अंक 31 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

बजट 2026 से बम-बम डिफेंस

- महिला, युवा, गरीब और किसान सबका होगा कल्याण
- बजट 2026 में इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं
- ऑपरेशन सिंदूर के बाद डिफेंस बजट 15 फीसदी बढ़ा
- 17 कैंसर मेडिसिन ड्यूटी फ्री, 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बजट पेश कर दिया है। वे 85 मिनट बोलीं, लेकिन आम आदमी के लिए कोई बड़ा ऐलान नहीं किया। हालांकि टैक्स फाइल करने में सहूलियत, रेलवे प्रोजेक्ट और आयुर्वेदिक एम्स जैसी नई बातें कही हैं। बजट भाषण में कोई सीधा चुनावी ऐलान भी नहीं था। वे लोकसभा में तमिलनाडु की प्रसिद्ध कांजीवरम साड़ी पहनकर पहुंचीं जरूर, लेकिन इसी साल होने वाले पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी चुनाव पर सीधा असर डालने वाली घोषणाएं नहीं कीं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहले बजट में सीतारमण ने जियो-पॉलिटिक्स और चुनौतियों की बात कही और देश का रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ कर दिया।

'युवाओं के पास नौकरी नहीं, संकट में किसान

बजट पर राहुल गांधी बोले-असली संकटों से अनजान है सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने युवाओं, किसानों, निवेशकों का जिक्र करते हुए दावा किया कि ये बजट भारत के असली संकटों से अनजान है। राहुल गांधी ने कहा है कि केंद्रीय बजट में भारत के सामने मौजूद वास्तविक संकटों से आंख मूंद ली गई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'युवाओं के पास नौकरी नहीं है, विनिर्माण गिर रहा है, निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं, घरेलू बचत घट रही है, किसान संकट में हैं, आने वाले वैश्विक झटके, सभी को नजरअंदाज कर दिया गया।' उन्होंने दावा किया कि यह एक ऐसा बजट जिसमें चीजों को दुरुस्त करने के बजाय वास्तविक संकटों से आंख मूंद ली गई।

बजट में नारी शक्ति व युवा सोच का प्रतिबिंब

- बजट पर बोले पीएम मोदी, बताया ऐतिहासिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बजट 2026 की घोषणा के बाद देश को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आज का बजट ऐतिहासिक है। इसमें देश की नारी शक्ति का सशक्त प्रतिबिंब झलकता है। महिला वित्त मंत्री के रूप में निर्मला जी ने लगातार 9वीं बार देश का बजट प्रस्तुत करके नया रिकॉर्ड बनाया है। पीएम मोदी ने कहा, ये बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है। ये युवा शक्ति का बजट है। इसमें युवा सोच है, युवा के सपने हैं। इस बजट से

युवाओं के लिए द्वार खुलेंगे। उन्होंने कहा, इस बजट से आत्मनिर्भर भारत को उड़ान मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा, इस बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए कई बड़े कदम उठाए गए हैं। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, देशभर में वाटर वेज का विस्तार, हाई स्पीड रेल कॉरिडोर, टियर 2 और टियर 3 शहरों के विकास पर विशेष ध्यान और शहरों को मजबूत आर्थिक आधार देने के लिए म्युनिसिपल बांड्स को बढ़ावा, ये सारे कदम विकसित भारत की यात्रा की गति को और तेज करेंगे। पीएम मोदी ने कहा, भारत की कृषि, डेयरी सेक्टर और फिशरीज को हमारी सरकार ने हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इस बजट में भी नारियल, कोको, काजू और चंदन की पैदावार से जुड़े किसानों के लिए अनेक अहम कदम उठाए गए हैं। पीएम मोदी ने कहा, हमारे देश में 10 करोड़ से ज्यादा महिलाएं इससे जुड़ी हैं और ये बड़ा सफल अभियान रहा है।

लखपति दीदी से लेकर शी मार्ट्स और गर्ल्स हॉस्टल तक

- सरकार के बजट 2026 में महिलाओं को मिली खास सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में 2026-27 का बजट पेश किया। हर बार की तरह इस बार भी वित्त मंत्री के पिटारे में महिलाओं के लिए कुछ खास सौगात देखने को मिली। तो आइए जानते हैं इस बार बजट में महिलाओं के लिए क्या-कुछ खास था। केंद्र सरकार ने लखपति दीदी योजना को जारी रखने की भी घोषणा

की है। इस योजना के तहत महिलाओं से जुड़े स्वयं सहायता समूहों को 5 लाख रुपये तक का ब्याज रहित लोन दिया जाता है, जिससे वो आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो सकें। इस लोन पर महिलाओं को सरकारी सब्सिडी भी मिलती है। केंद्र सरकार की लखपति दीदी योजना की सफलता के बाद वित्त मंत्री ने शी मार्ट्स की घोषणा की है। ये मार्ट्स स्वयं सहायता उद्यमियों की ओर से संचालित किया जाएगा और रीटेल आउटलेट के रूप में ऑपरेट करेगा। केंद्र सरकार की इस नई स्कीम का उद्देश्य महिला उद्यमियों की पहुंच बड़ी बाजार तक सुनिश्चित करना है। इसके तहत महिलाएं न सिर्फ अपना खुद का ब्रांड बना सकेंगी, बल्कि अच्छा मुनाफा भी कमा सकेंगी।

बजट के बाद हाहाकार, औंधे मुंह गिरा शेयर बाजार

- बीएसई सेंसेक्स 1546 अंक गिरकर 80,722 पर बंद
- निफ्टी भी 495 अंक टूटा, वजह-ट्रांजेक्शन टैक्स बढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट के बाद आज यानी 1 फरवरी (रविवार) को शेयर बाजार गिरकर बंद हुआ। सेंसेक्स 1546 अंक यानी करीब 2 फीसदी गिरकर 80,722 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 495 अंक टूटा, ये 24,825 के स्तर पर बंद हुआ। सरकार ने फ्यूचर्स पर लगने वाले सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स को 0.02 से बढ़ाकर 0.05 फीसदी किया। ऑप्शंस प्रीमियम और एक्सरसाइज पर भी टैक्स को बढ़ाकर 0.15 फीसदी किया। इस वजह से बाजार में यह गिरावट आई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण

के बाद सेंसेक्स 1,800 अंक और 550 अंक तक गिर गया था। वहीं सुबह 9.15 बजे सेंसेक्स 100 अंक की गिरावट के साथ 82,156 के स्तर पर खुला था। निफ्टी भी करीब 50 अंक की गिरावट के साथ 25,275 के स्तर पर ओपन हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में गिरावट और सिर्फ 3 में तेजी रही। अडाणी पोर्ट्स के शेयर में 6 फीसदी तक की गिरावट रही। सरकारी बैंक सेक्टर में सबसे ज्यादा 6 फीसदी तक की गिरावट देखने को मिली। मेटल, मीडिया, मीडिया, फार्मा, फाइनेंशियल सर्विसेज और रियल्टी सेक्टर में भी गिरावट रही।

विदेश से सामान मंगवाना होगा सस्ता, कस्टम ड्यूटी भी घटाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश से सामान मंगवाना अब सस्ता होगा। सरकार ने कस्टम ड्यूटी कम कर दी है। इसकी घोषणा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2026 पेश करते समय की। उन्होंने आयात किए जाने वाले सभी सामानों पर लगने वाली कस्टम ड्यूटी को 20 से घटाकर 10 फीसदी करने का प्रस्ताव दिया है। इसका मतलब है कि अब बाहर से अपने लिए सामान मंगवाना सस्ता हो जाएगा। सरकार कस्टम ड्यूटी की इस व्यवस्था को आसान बनाना चाहती है। कस्टम ड्यूटी कैसे लगती है, इसे समझना थोड़ा पेचीदा हो सकता है। इकनॉमिक टाइम्स ने वेबसाइट पर दी गई जानकारी के आधार पर बताया है कि आयातित सामानों पर बेसिक कस्टम ड्यूटी लगती है। यह ड्यूटी सामान के प्रकार पर निर्भर करती है।

किसानों की किस्मत बदलने भारत विस्तार एआई प्लेटफॉर्म

खेती-किसानी को एआई से लैस बनाने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। दरअसल वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2026 में भारत विस्तार नाम से एक एआई पावर्ड प्लेटफॉर्म लॉन्च करने की घोषणा की है। इसे आप खास किसानों के लिए लॉन्च होने वाला एआई या डिजिटल साथी समझ सकते हैं, जो उन्हें मौसम, मिट्टी की सेहत और सरकारी योजनाओं की सटीक जानकारी उनकी अपनी भाषा में देगा। सरकार का मानना है कि इस मॉडल से किसानों की पैदावार बढ़ेगी और वह तकनीकी रूप से कुशल भी होंगे। भारत विस्तार का पूरा नाम वर्चुअली इंटीग्रेटेड सिस्टम टू एक्सेस एग्रीकल्चरल रिसोर्सेज है। यह डिजिटल प्लेटफॉर्म कई भाषाओं में काम करेगा और सीधे एग्री-स्टैक

पोर्टल और आईसीएआर के डेटा से जुड़ा होगा। इसका फायदा यह होगा कि किसानों को मौसम के बारे में उनकी खुद की समझ में आने वाली भाषा में डिटेल में जानकारी मिलेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में 4,000 कर्मचारी एआई चैटबॉट का इस्तेमाल कर रहे हैं। अब इसे पूरे देश में लागू किया जाएगा ताकि किसान डेटा के आधार पर बुवाई से लेकर कटाई तक का फैसला ले सकें।

जीवन की जटिलताओं को आसान बनाता है - सहज योग

जीवन है तो उतार चढ़ाव आते ही रहेंगे, यही उतार चढ़ाव जीवन को अर्थपूर्ण बनाते हैं। कभी कहीं कोई बाधा आये तो उस बाधा से निकलने का दौर सकारात्मक दृष्टिकोण वालों के लिए रोमांचक होता है और बाधा से मुक्त होते ही मिलती है आत्मिक संतुष्टि और जीतने की खुशी। परंतु सत्य तो यह है कि जीवन में आने वाली इन जटिलताओं को सहजता से लेना तभी संभव होगा जब हम संतुलन में हों। जरा सी तकलीफ होते ही घबरा जाने की प्रवृत्ति हमारी परेशानी को और बढ़ा देती

है फलस्वरूप समस्या का समाधान मिलना मुश्किल हो जाता है। आज के दौर में जब समाज व विश्व में अशांति की स्थिति बनी हुई है तब इन सबसे तटस्थ रह पाना मुश्किल हो जाता है। पर, हमें समाज और विश्व की समस्याओं पर विचार करते हुए भी, उन समस्याओं का हिस्सा होते हुये भी मनस्थिति पर काबू पाने का गुर आना चाहिए। यह आज के दौर की आवश्यकता है। यदि हम स्वयं पर काबू नहीं रख पाते हैं तो स्वयं भी दुखी रहेंगे और परिवार को भी नहीं संभाल पायेंगे। परिवार के सभी सदस्यों को सहज योग विधा को सीखना चाहिए ताकि जीवन के हर पड़ाव पर शांति से रह सकें। ज्यादातर लोग यह जानते हैं कि परमात्मा का निवास हमारे अंदर है पर इसका अनुभव नहीं कर पाने से वे असमंजस की स्थिति में रहते हैं। सहज योग की संस्थापिका परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने कुंडलिनी जागरण और ध्यान योग की इस विधा को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया और साधकों को आत्मसाक्षात्कार देकर अपने अंदर की ईश्वरीय शक्ति का आभास कराया। आज लाखों लोग सहज योग के माध्यम से ध्यान करते हुये निश्चिन्त शांतिपूर्ण जीवन जी रहे हैं।

केंद्रीय बजट 2026-27 के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, भाजपा सरकार के बजट को बताया 'झुनझुना बजट'

भोपाल। केंद्रीय बजट 2026-27 के विरोध में सोमवार को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के भोपाल स्थित कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन प्रदेश कांग्रेस महामंत्री अमित शर्मा के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिसमें कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हाथों में झुनझुना लेकर भाजपा सरकार के बजट को 'झुनझुना बजट' करार दिया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस महामंत्री अमित शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार ने महंगाई से त्रस्त आम जनता, बेरोजगार युवाओं, किसानों, महिलाओं और मध्यम वर्ग—सभी को सिर्फ वादों का झुनझुना थमा दिया है। उन्होंने कहा कि बजट में न तो महंगाई से राहत दी गई है, न मध्यम वर्ग को टैक्स में कोई ठोस राहत मिली है और न ही महिलाओं की सुरक्षा व रोजगार

को लेकर कोई प्रभावी प्रावधान किया गया है। अमित शर्मा ने आरोप लगाया कि यह बजट मध्य प्रदेश के साथ सौतेला व्यवहार करता है। कृषि प्रधान राज्य होने के बावजूद प्रदेश के किसानों, युवाओं और गरीब वर्ग के लिए किसी विशेष पैकेज या ठोस सहायता की घोषणा नहीं की गई। स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसे बुनियादी क्षेत्रों में भी मध्य प्रदेश को अपेक्षित समर्थन नहीं मिला। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के कार्यकाल में किसानों, युवाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य को बजट में प्राथमिकता दी जाती थी, जबकि एनडीए सरकार के बजट केवल आंकड़ों का खेल बनकर रह गए हैं, जिनमें आम जनता की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। अमित शर्मा ने केंद्रीय बजट 2026-27 को किसान-विरोधी, युवा-विरोधी, महिला-विरोधी और मध्यम वर्ग-विरोधी बजट बताया।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता राहुल राज ने कहा कि यह बजट स्पष्ट रूप से किसान और युवा विरोधी है। भाजपा सरकार एक ओर किसानों की आय दोगुनी करने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, थ्रेशर, सिंचाई उपकरण और अन्य कृषि इक्विपमेंट पर जीएसटी लगाकर खेती की लागत बढ़ा रही है। बजट 2026-27 में इन उपकरणों पर जीएसटी हटाने या कम करने का कोई प्रावधान नहीं किया गया, जिससे अन्नदाता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला गया है। राहुल राज ने कहा कि डीजल, खाद, बीज और कीटनाशकों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, इसके बावजूद बजट में किसानों को कानूनी एमएसपी की कोई गारंटी नहीं दी गई। यह बजट किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के बजाय उन्हें कर्ज़ में धकेलने वाला साबित होगा। उन्होंने आगे कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण स्वयं स्वीकार करता है कि देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती रोजगार है, लेकिन इसके बावजूद बजट में युवाओं के लिए कोई ठोस रोजगार योजना, न शहरी रोजगार गारंटी और न ही नई भर्तियों का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। यह बजट 'जॉबलेस ग्रोथ' को और गहरा करने वाला है।

उमरिया में बाघ की दस्तक से अलर्ट, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मानपुर बफर में बढ़ाई गई सतर्कता

उमरिया। उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अंतर्गत मानपुर बफर क्षेत्र के दमना गांव के पास खेतों में बाघ देखे जाने से इलाके में अलर्ट जारी कर दिया गया है। बाघ की मौजूदगी की सूचना मिलते ही ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके के आसपास एकत्र हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाघ खेतों की झाड़ियों में दिखाई दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन को दी। सूचना मिलते ही पार्क प्रबंधन सक्रिय हुआ और करीब 20 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी तथा कई वाहनों के साथ टीम को मौके पर रवाना किया गया। मानपुर बफर और ताला परिक्षेत्र की संयुक्त टीम बनाकर पूरे क्षेत्र में निगरानी शुरू कर दी गई है। वन विभाग ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ग्रामीणों को घटनास्थल से दूर कराया और खेतों की ओर जाने से रोक दिया है। अधिकारियों द्वारा लोगों को समझाइश दी जा रही है कि बाघ को देखने या उसके नजदीक जाने का प्रयास न करें, क्योंकि किसी भी प्रकार की लापरवाही जानलेवा हो सकती है।

मानपुर बफर परिक्षेत्र अधिकारी मुकेश कुमार अहिरवार ने बताया कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और फिलहाल घबराने की आवश्यकता नहीं है। बाघ की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है। वन अमला हर संभावित स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है, ताकि किसी प्रकार की जनहानि न हो। वन विभाग ने आसपास के गांवों के लोगों से सहयोग की अपील करते हुए सलाह दी है कि वे अकेले खेतों या जंगल की ओर न जाएं, रात के समय विशेष सतर्कता बरतें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत वन विभाग को दें। विभाग की मुस्तैदी के चलते फिलहाल स्थिति सामान्य बनी हुई है, लेकिन एहतियात के तौर पर पूरे इलाके में निगरानी जारी है।

सिंगरौली में चार गायों की मौत से हड़कंप, यूरिया-महुआ खिलाने से गायों की मौत का शक, पुलिस जांच में जुटी

सिंगरौली। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले से एक गंभीर और संवेदनशील मामला सामने आया है, जहां संदिग्ध परिस्थितियों में चार गायों की मौत हो गई। आशंका जताई जा रही है कि गायों को यूरिया और महुआ मिलाकर खिलाया गया, जिससे तड़प-तड़पकर उनकी मौत हो गई। फिलहाल इस घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों की पहचान नहीं हो सकी है। यह मामला सरई थाना क्षेत्र अंतर्गत सरई नगर परिषद के वार्ड नंबर-3 छुहीगड़ई का है। शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने इलाके में गायों के शव देखे, जिसके बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सरई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों का कहना है कि गायें उनकी आजीविका और आस्था का आधार हैं। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है और लोग इसे सुनियोजित साजिश मानते हुए

दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

गौरतलब है कि बीते महीनों में सरई क्षेत्र के पुरैल गांव में भी इसी तरह यूरिया और महुआ खिलाने से गायों की मौत का मामला सामने आया था। एक बार फिर ऐसी घटना दोहराए जाने से प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल सरई थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और दोषियों की तलाश में जुट गई है। मामले की जांच सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए की जा रही है।

जबलपुर में बरगी बांध की दाईं तट नहर टूटी, खेतों में भरा पानी; प्रशासन ने शुरू किया नुकसान का सर्वे

जबलपुर। जिले के सगड़ा-झपनी गांव के पास बरगी बांध की दाईं तट नहर का एक हिस्सा टूटने से रविवार को अफरा-तफरी मच गई। यह घटना दोपहर करीब 12 बजे की बताई जा रही है, जिसके बाद नहर का पानी तेजी से आसपास के खेतों में फैल गया। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। नहर टूटने की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अमले ने एहतियातन बरगी बांध से दाईं तट नहर में छोड़े जाने वाले पानी की निकासी को पूरी तरह बंद करा दिया, जिससे पानी के बहाव को नियंत्रित किया जा सका। मौके पर जबलपुर के एसडीएम अभिषेक सिंह और बरगी बांध दाईं तट नहर के कार्यपालन यंत्री मौजूद रहकर स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

प्रशासन ने उठाए त्वरित कदम – प्रशासन द्वारा जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए तत्काल कदम उठाए गए। जिस स्थान पर नहर टूटी है, उसके आगे के सभी गेट खोल दिए गए हैं, ताकि खेतों में जमा पानी तेजी से बाहर निकाला जा सके। अधिकारियों के अनुसार, नहर का पानी नरई नाला में जा रहा है, जो आगे जाकर नदी में मिल जाता है, जिससे स्थिति को नियंत्रित करने में मदद मिली है।

किसानों को मुआवजे का आश्वासन – नहर टूटने से खेतों में पानी भरने के कारण फसलों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए प्रशासन ने सर्वे शुरू कर दिया है। एसडीएम अभिषेक सिंह ने बताया कि कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का सर्वे किया जा रहा है। उन्होंने कहा, कलेक्टर के निर्देश पर नहर टूटने से फसलों को हुए नुकसान का सर्वे शुरू कर दिया गया है। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर प्रभावित किसानों को राहत राशि का वितरण किया जाएगा। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि सर्वे पूरा होने के बाद किसानों को शीघ्र ही उचित मुआवजा प्रदान किया जाएगा। वहीं, नहर के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत का कार्य भी जल्द शुरू किए जाने की संभावना है।

खेलते-खेलते अरंडी के जहरीले बीज खा गए बच्चे, आधा दर्जन से अधिक बीमार, जिला अस्पताल में भर्ती

उमरिया। उमरिया जिला मुख्यालय से एक चिंताजनक घटना सामने आई है। जेल बिल्डिंग क्षेत्र में खेल रहे बच्चों ने अनजाने में अरंडी (कैस्टर) के जहरीले बीज खा लिए, जिससे आधा दर्जन से अधिक बच्चे अचानक बीमार हो गए। बच्चों की हालत बिगड़ते देख परिजनों में हड़कंप मच गया और सभी को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 5 से 15 वर्ष की उम्र के बच्चे रोज की तरह अपने घरों के पास खेल रहे थे। इसी दौरान उन्होंने आसपास लगे अरंडी के पौधे से फल तोड़ लिए और उसके बीज खा लिए। कुछ ही देर बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी।

उल्टी, पेट दर्द और चक्कर आने लगे – अरंडी के बीज खाने के बाद बच्चों को बेचैनी, उल्टी, पेट दर्द और चक्कर आने जैसी शिकायतें होने लगीं। लक्षण गंभीर होते देख परिजन तुरंत बच्चों को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने तत्काल बच्चों की जांच कर प्राथमिक उपचार शुरू किया। चिकित्सकों के अनुसार, जहरीले बीज खाने के कारण बच्चों को फूड पॉइजनिंग हुई है। फिलहाल सभी बच्चों की हालत स्थिर बताई जा रही है और वे खतरे से बाहर हैं। डॉक्टरों ने बताया कि बच्चों को निगरानी में रखा गया है। यदि किसी की हालत बिगड़ती है तो उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया जाएगा।

केंद्रीय बजट 2026-27: कटौती, मंदी और छलावे का बजट: जीतू पटवारी

भोपाल। केंद्रीय बजट 2026-27 पर प्रतिक्रिया देते हुए मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने कहा कि यह बजट देश की वास्तविक आर्थिक स्थिति से आंख मूंदने वाला और केवल आंकड़ों की बाजीगरी पर आधारित है। लगभग डेढ़ घंटे के बजट भाषण में वित्त मंत्री ने गिरते रुपये, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लगातार बाहर जाने, निजी निवेश की कमी और आर्थिक मंदी जैसे गंभीर मुद्दों पर कोई स्पष्ट चर्चा नहीं की। श्री पटवारी ने कहा कि यह बजट कटौतियों के सहारे तैयार किया गया है और इसके आंकड़े स्वयं यह दर्शाते हैं कि देश की अर्थव्यवस्था गहरी मंदी की ओर बढ़ रही है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सरकार ने अपने ही बजटीय अनुमानों में भारी कटौती की है। राजस्व प्राप्तियों में 78,086 करोड़ रुपये और शुद्ध कर प्राप्तियों में 1,62,748

करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई है, जो आर्थिक सुस्ती का स्पष्ट संकेत है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि सरकार ने कुल खर्च में 1,00,503 करोड़ रुपये और पूंजीगत खर्च में 1,44,376 करोड़ रुपये की कटौती की है। इसके बावजूद 4.4 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे को उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जबकि यह लक्ष्य स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और सामाजिक कल्याण जैसे अत्यंत आवश्यक क्षेत्रों में कटौती कर हासिल किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जिन चार वर्गों—महिला, युवा, किसान और गरीब—की बात करते हैं, इस बजट में सबसे अधिक नुकसान इन्हीं वर्गों को पहुंचाया गया है। स्वास्थ्य बजट में 3,686 करोड़ रुपये और शिक्षा बजट में 6,701 करोड़ रुपये की कटौती की गई है। वहीं कृषि क्षेत्र में 6,985 करोड़ रुपये, ग्रामीण विकास में 53,067 करोड़ रुपये और शहरी विकास में 39,573 करोड़ रुपये की कटौती यह दर्शाती है कि सरकार की प्राथमिकताओं में किसान और गरीब नहीं हैं। श्री पटवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना में 3,200 करोड़ रुपये और जल जीवन मिशन में 50,000 करोड़ रुपये की कटौती अत्यंत चिंताजनक है, जबकि देश के कई हिस्सों में आज भी लोग दूषित पेयजल के कारण बीमार पड़ रहे हैं। जल जीवन मिशन के लिए आवंटित राशि का मात्र लगभग दो प्रतिशत ही उपयोग हो पाना सरकार की गंभीर असफलता को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि यह बजट दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के साथ भी अन्याय करता है। प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना में 890 करोड़ रुपये, ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी छात्रवृत्ति में 690 करोड़ रुपये, अनुसूचित जाति पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति में 360 करोड़ रुपये और अनुसूचित जनजाति विकास कार्यक्रमों में 1,559 करोड़ रुपये की कटौती की गई है।

रणजीत टाइम्स

इंदौर में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया मैराथन का भव्य आयोजन, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दिखाई हरी झंडी

इंदौर। एकेडमी ऑफ इंदौर मैराथनर्स के तत्वावधान में सेंट्रल इंडिया की सबसे बड़ी 'यूनियन बैंक ऑफ इंडिया इंदौर मैराथन' का भव्य आयोजन रविवार को किया गया। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन की शुरुआत की। इस कार्यक्रम में 20 हजार से अधिक धावकों ने भाग लिया। मैराथन का आयोजन 'दिल से दौड़ें, दिल के लिए' थीम पर किया गया, जिसमें 21 किमी, 10 किमी, 5 किमी और 3 किमी की चार श्रेणियां शामिल रहीं। रूट की योजना इस तरह बनाई गई थी कि धावकों के साथ-साथ आम जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

दौड़ की शुरुआत अलग-अलग स्थानों से हुई—

21 किमी और 10 किमी: नेहरू स्टेडियम
5 किमी: राजबाड़ा
3 किमी: यशवंत क्लब

सभी दौड़ का समापन नेहरू स्टेडियम पर हुआ। प्रतिभागियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा गया। पूरे रूट पर डॉक्टरों की टीम तैनात रही और धावकों को समय-समय पर पानी की बोतलें प्रदान की गईं। परासिया चौराहे पर विशेष हाइड्रेशन पॉइंट भी बनाया गया था, ताकि धावकों को पर्याप्त पानी और ऊर्जा मिल सके। इस भव्य आयोजन ने इंदौर में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मामला 13 साल के बच्चे की हत्या का : लाश को छिपाने के लिए चाचा को बुलाया

बदला लेने के लिए नाबालिग का झूठा नाम लिया

इंदौर। श्रीनगर कांकड़ इलाके में 13 वर्षीय मासूम आतिक अली की निर्मम हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी रेहान को तीन दिन के रिमांड पर लिया है। इस दौरान उससे पूछताछ में कई राज खुल रहे हैं। आरोपी ने पुलिस को बताया कि हत्या के बाद लाश को छिपाने के लिए उसने नयापुरा में रहने वाले अपने चाचा को बुलाया और फिर उनके साथ मिलकर लाश को पलंग पेटी में छिपाया था। वहीं जिस नाबालिग के साथ मिलकर घटना को अंजाम देने की बात वह कह रहा था। उसका भी खुलासा हुआ कि आरोपी का उससे झगड़ा था। इसके चलते उसे फंसाने के लिए झूठा नाम लिया था। पुलिस ने मामले में रेहान के चाचा को भी आरोपी बनाया है।

क्रूरता की सारी हदें की पार - पुलिस जांच में यह बेहद चौंकाने वाली बात सामने आई है कि आरोपी ने मासूम की जान लेने के लिए क्रूरता की सारी हदें पार कर दी थीं। पोस्टमार्टम के दौरान शरीर पर मिले निशानों से पता चला है कि नायलॉन की रस्सी से एक-दो बार नहीं, बल्कि कुल आठ बार बच्चे का गला घोंटा था। जब लगा कि मासूम मर चुका है, तब साक्ष्य मिटाने और पहचान छुपाने की नीयत से उसके चेहरे पर ईंट से ताबड़तोड़ वार किए गए।

परिवार पर भी संदेह - घटनाक्रम के अनुसार, आरोपी रेहान (21) ने अपने साथी के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया और बाद में साक्ष्य छिपाने के लिए शव को अपने ही घर की पलंग पेटी में डालकर ऊपर अपनी बीमार दादी को सुला दिया था।

ऐसे सामने आया सच - पुलिस को संदेह हुआ आरोपी रेहान झूठ बोल रहा है, क्योंकि शव को छत से पलंग पेटी ले जाना संभव नहीं लगता। इसके चलते सख्ती से पूछताछ की तो उसने नयापुरा में रहने वाले अपने चाचा के बारे में जानकारी दी कि घटना के बाद उन्हें कॉल कर बुलाया था। इसके बाद शव को छिपाया गया।

दिल के लिए दौड़े और दिल ने ही दे दिया धोखा !

मैराथन में धावक को दिल का दौरा, फिनिश लाइन से पहले मौत

इंदौर। रविवार सुबह शहर में आयोजित मैराथन के दौरान एक दुखद घटना सामने आई। नेहरू स्टेडियम के समीप फिनिश लाइन से महज 100 मीटर दूर एक युवक अचानक गिर पड़ा। वह हरियाणा का रहने वाला था और मैराथन में उत्साह से भाग ले रहा था। तबियत बिगड़ने पर उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया।

तत्काल दिया सीपीआर - युवक की पहचान 26 वर्षीय आर्यन तोड़ी के रूप में हुई है। वह दौड़ पूरी करने के बेहद करीब था, लेकिन अचानक उसे सीने में तेज दर्द हुआ और वह लडखड़ाकर गिर पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जब यह हादसा हुआ, तो घटनास्थल के पास कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. भरत रावत भी मौजूद थे। उन्होंने तुरंत युवक को सीपीआर दिया और उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मान रहे कार्डियक अरेस्ट - प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, युवक की मौत का कारण कार्डियक अरेस्ट (हार्ट अटैक) माना जा रहा है। पुलिस ने मौत के असली कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

धावकों में शोक - मैराथन में भाग लेने वाले अन्य धावकों के बीच यह घटना शोक की लहर छोड़ गई। पुलिस और आयोजन समिति के सदस्य घटनास्थल पर पहुंचे, और परिजनों को सूचित किया गया। आर्यन के परिजनों को इस सदमे से उबरने में काफी समय लगेगा, लेकिन आयोजन समिति और मेडिकल टीम ने घटनास्थल पर तत्परता से सहायता प्रदान की।

पहले भी कर चुका पार्टिसिपेट - आर्यन पहली बार मैराथन में शामिल नहीं हुआ था। वह पहले भी कई बार पार्टिसिपेट कर चुका था। आर्यन का परिवार नेपाल का काफी प्रतिष्ठित परिवार है। उसके पिता हरीश तोदी बिजनेसमेन हैं और इन दिनों दिल्ली में हैं। आर्यन इंदौर में जल्दी ही फैक्ट्री शुरू करने की तैयारी में था।

पार्सल से फैली दहशत, महिला के घर पहुंची धमकी और पिस्टल

इंदौर। द्वारकापुरी इलाके में उस समय सनसनी फैल गई जब एक महिला को मिले पार्सल में धमकी भरा पत्र और पिस्टल बरामद हुई। अज्ञात व्यक्ति पार्सल देकर तुरंत चला गया, जिससे महिला किसी तरह का संदेह नहीं कर पाई। पार्सल खोलते ही अंदर का सामान देखकर महिला घबरा गई और परिजनों के साथ पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना द्वारकापुरी पुलिस के अनुसार यह घटना शनिवार की सुबह करीब 7.30 बजे क्षेत्र निवासी मनीषा पटेल के घर हुई। महिला ने बताया कि एक अज्ञात युवक घर आया और पार्सल सौंपकर चला गया। खोलने पर उसमें एक पिस्टल और जान से मारने की धमकी वाला पत्र मिला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पार्सल व पिस्टल को जब्त कर लिया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह पुरानी रंजिश का मामला है या डराने की साजिश। पिस्टल की असलियत की फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है।

उद्देश्य और आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि यह किसी पुरानी रंजिश का परिणाम है या महिला को डराने के लिए किसी ने यह साजिश रची है। पिस्टल असली है या नकली, इसकी भी फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की पहचान जल्द कर ली जाएगी और इस तरह की दहशत फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जन्मदिन की
अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो
2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जजबातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है

मुख्य मार्गों से अतिक्रमण और अन्य बाधाएं हटाने के लिए पुनः शुरू होगा अभियान

- **पार्किंग स्थलों की क्षमता का पूरा उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा**
- **कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न**

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार इंदौर में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इंदौर में मुख्य मार्गों से अतिक्रमण और यातायात में बाधक अन्य बाधाओं को हटाने के लिए पुनः अभियान प्रारंभ किया जाएगा। यह अभियान जिला प्रशासन द्वारा यातायात पुलिस, नगर निगम और अन्य संबंधित विभागों के संयुक्त दल द्वारा चलाया जाएगा। इंदौर में शासकीय तथा अशासकीय पार्किंग स्थलों की पूरी क्षमता के अनुसार उपयोग सुनिश्चित कराया जाएगा। पार्किंग स्थलों पर सूचना पटल भी लगाए जाएंगे। साथ ही चिन्हित 7 चौराहों को सुगम यातायात के अनुकूल बनाया जाएगा।

यह जानकारी कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दी गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर राजेश कुमार सिंह, डीसीपी आनंद कलादगी तथा प्रकाश परिहार, स्मार्ट सिटी के सीईओ अर्थ जैन, एडीएम रोशन राय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में इंदौर के यातायात को सुगम बनाने के संबंध में व्यापक रूप से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि इंदौर के प्रमुख 7 चौराहों टावर चौराहा, नवलखा, महू नाका, अग्रसेन चौराहा, कालानी नगर चौराहा, पलासिया चौराहा और गीता भवन चौराहों पर यातायात व्यवस्था में तकनीकी तथा अधोसंरचनात्मक सुधार कर व्यवस्थाओं को बेहतर तथा वाहनों चालकों के ?लिए सुविधाजनक बनाया जाएगा। बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने निर्देश दिए कि मुख्य मार्गों से अतिक्रमण और अन्य बाधाएं हटाने के लिए शीघ्र अभियान प्रारंभ किया जाए। बैठक में निर्देश दिए गए कि सभी शासकीय और अशासकीय पार्किंगों का क्षमता के अनुरूप उपयोग सुनिश्चित किया जाए। पार्किंग स्थलों पर सूचना पटल भी लगाये जाए। अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं अगले 8 से 10 दिन में पूरी कर ली जाए। इसके बाद पार्किंग स्थल होने के बावजूद अन्यत्र पार्किंग करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। बताया गया कि क्रैन की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। बैठक में निर्देश दिए गए कि सड़कों पर मार्किंग भी की जाए। निर्देश दिए गए कि बगैर अनुमति के कहीं भी स्पीड ब्रेकर नहीं बनाए जाए। बैठक में राजवाड़ा क्षेत्र की संकरी गलियों में बसों, चारपहिया वाहनों और रिक्शाओं की आवाजाही को प्रतिबंधित करने के संबंध में भी चर्चा की गई। बैठक में ई-रिक्शा के लिए बनाए गए 7 सेक्टरों की व्यवस्था का अनुमोदन भी किया गया। बताया गया कि ई-रिक्शा संचालन के लिए 7 सेक्टर बनाए गए हैं। इन सेक्टरों में ई-रिक्शा संचालन के लिए अभी तक 3 हजार 200 ई-रिक्शा संचालन के लिए अपना पंजीयन भी करा लिया है। पंजीयन की प्रक्रिया लगातार जारी है। सेक्टरवार कलर कोडिंग और स्टीकर ई-रिक्शा पर रहेंगे।

कलेक्टर वर्मा ने निर्देश दिए कि निर्माणाधीन ब्रिज और सड़कों के आसपास ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे कि यातायात प्रभावित नहीं हो और वाहनों चालकों को कम-से-कम परेशानियों का सामना करना पड़े। निर्माणाधीन स्थल पर पर्याप्त लाईटिंग भी की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए जिससे जाम की स्थिति कहीं भी न बनें। उन्होंने सिग्नल के टाईमिंग में यातायात अनुकूल सुधार के निर्देश भी दिए। बैठक में राहवीर योजना के तहत चार प्रकरणों का अनुमोदन भी किया गया। साथ ही निर्देश दिए गए कि इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। अस्पतालों में योजना के संबंध में फ्लैग्स भी लगाए जाए। बैठक में चिन्हित ब्लैक स्पॉट के सुधार कार्यों की समीक्षा भी की गई। साथ ही निर्देश दिए गए कि चिन्हित ब्लैक स्पॉट के सुधार कार्य जल्द किए जाए।

दूसरी एपस्टीन सर्वाइवर का दावा, 'उन्हें पूर्व प्रिंस के साथ सेक्स के लिए ब्रिटेन भेजा गया था'

जेफ़री एपस्टीन से जुड़े एक अन्य मामले में एक महिला के वकील ने बीबीसी को बताया कि एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर के साथ सेक्स के लिए जेफ़री एपस्टीन ने उन्हें ब्रिटेन भेजा था यह कथित मुलाक़ात साल 2010 में पूर्व प्रिंस एंड्रयू के निवास रॉयल लॉज में हुई. महिला ब्रिटिश नागरिक नहीं है और उस समय उसकी उम्र 20 वर्ष के आस-पास थी अमेरिका की क़ानूनी फ़र्म एडवर्ड्स हेंडरसन से जुड़े महिला के वकील ब्रैड एडवर्ड्स ने कहा कि एंड्रयू के साथ रात बिताने के बाद महिला को बकिंघम पैलेस घुमाया गया और वहां चाय भी पिलाई गई वकील ने बताया, "हम कम से कम एक ऐसी महिला की बात कर रहे हैं जिसे जेफ़री एपस्टीन ने प्रिंस एंड्रयू के पास भेजा था. और प्रिंस एंड्रयू के साथ एक रात बिताने के बाद उसे बकिंघम पैलेस का दौरा भी कराया गया."

बजट पर शुरु हुआ नेताओं की बयानबाजी का दौर, प्रियंका गांधी बोलीं Budget से कोई उम्मीद नहीं

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में बजट पेश करने से ठीक पहले सियासी पारा चढ़ गया है। एक तरफ जहां सत्ता पक्ष इसे 'विकसित भारत' की ओर बढ़ता कदम बता रहा है, वहीं विपक्ष ने बजट भाषण शुरू होने से पहले ही इसे 'निराशाजनक' करार दे दिया है। रविवार को बजट पेश होने की ऐतिहासिक घटना के बीच नेताओं की बयानबाजी ने आर्थिक चर्चा को राजनीतिक रंग दे दिया है।

बजट की पेशकश से पहले नेताओं ने की बयानबाजी

»» प्रियंका गांधी (कांग्रेस): संसद पहुँचने पर उन्होंने दो टूक कहा, "इस बजट से मुझे कोई उम्मीद नहीं है।"

»» अखिलेश यादव (सपा): सपा प्रमुख ने इसे 'विकृत बजट' (Deform Budget) बताते हुए कहा कि यह सुधार के लिए नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का बजट केवल 5% आबादी के लिए होता है और यह केवल अपने लोगों को लुभाने की कोशिश है।

»» संजय सिंह (AAP): आप सांसद ने पुराने वादों का हिसाब मांगते हुए पूछा कि हर साल 2 करोड़ नौकरियों के हिसाब से 24 करोड़ नौकरियां कहां हैं? उन्होंने काला धन और किसानों की आय दोगुनी करने जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा।

»» मनीष तिवारी (कांग्रेस): उन्होंने अर्थव्यवस्था की ढांचागत समस्याओं और गिरते प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) पर चिंता जताई और वित्त मंत्री से ईमानदारी से समाधान की उम्मीद की।

सत्ता पक्ष का पलटवार

"यह सुधारों की एक्सप्रेस है" , मोदी सरकार के मंत्रियों ने बजट को देश के भविष्य के लिए मील का पत्थर बतायाः

»» गजेंद्र सिंह शेखावतः केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों की तरह यह बजट भी भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। क

»» रिन रिजिजूः उन्होंने इसे एक 'ऐतिहासिक बजट' करार देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की 'सुधार एक्सप्रेस' विकसित भारत की मंजिल की ओर तेजी से बढ़ेगी।

इंदौर मैराथन दौड़ से यात्री, मरीज और नौकरीपेशा हुए परेशान, शहर में ट्रैफिक का बवाल

इंदौर। रविवार को आयोजित इंदौर मैराथन दौड़ के कारण शहर के कई मार्गों पर दो-तीन घंटे तक ट्रैफिक रोक दिया गया, जिससे यात्रियों, मरीजों और नौकरीपेशा लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। धावकों की संख्या और दौड़ की भव्यता के बावजूद, आम जनता की सुविधा पर ध्यान नहीं दिया गया। शहर के एलआईजी, इंडस्ट्री हाउस, पलासिया गीता भवन, मधु मिलन, जंजीर वाला, रीगल और इंद्रप्रस्थ जैसे प्रमुख मार्ग बंद रहे। इस कारण हजारों लोग अपने गंतव्य तक पहुँचने में कठिनाई का सामना कर रहे थे। कई यात्रियों की ट्रेन छूट गई, कुछ फ्लाइट मिस कर बैठे, तो कई पैदल ही अपने गंतव्य की ओर बढ़ने को मजबूर हुए। कई लोगों ने हाथों में बड़े सूटकेस, गोद में बच्चों और गाड़ियों में बुजुर्ग और बीमार व्यक्ति लेकर खुले रास्ते की तलाश की। इस दौरान धावकों में कुछ ने मानवता का परिचय दिया

और यात्रियों की परेशानी देख चिंतित हुए। लेकिन दौड़ का आयोजन करने वाले जिम्मेदार अधिकारी और आयोजक आम जनता की परेशानी के प्रति संवेदनशील नहीं दिखे।

स्थानीय नागरिकों ने कहा कि अगर रूट प्लान करते समय थोड़े-थोड़े अंतराल पर वाहनों को जाने दिया जाता, तो सिर्फ 10-20 मिनट का इंतजार किसी के लिए परेशानी नहीं बनता। लेकिन लगातार मार्ग बंद रहने के कारण शहर में जाम और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। धावकों ने भी स्वीकार किया कि मैराथन के दौरान लोगों को हो रही कठिनाई पर ध्यान देना आवश्यक था। उन्होंने कहा कि भविष्य में मैराथन दौड़ आयोजित करते समय आम जनता की सुविधा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि किसी को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

भारत सरकार के बजट को ऐतिहासिक बताया, मंत्री तुलसी सिलावट ने व्यक्त की कृतज्ञता

इंदौर। देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आज पेश किए गए केंद्रीय बजट 2026-27 में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र, दवाओं के रेट में कमी, मध्यम वर्ग के लिए विभिन्न राहत पैकेज, एमएसएमई फंड, और कैंसर की दवाओं पर टैक्स छूट जैसी कई घोषणाएँ शामिल हैं। बजट में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने, रेलवे रूट विस्तार और अन्य विकास योजनाओं पर भी ध्यान दिया गया है। इस बजट पर देशभर में प्रतिक्रियाएँ सामने आने लगी हैं। विपक्ष ने कई सवाल उठाए हैं, वहीं भाजपा प्रदेश शासन के मंत्री तुलसीराम सिलावट ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि वित्त मंत्री द्वारा पेश किया गया यह बजट सभी वर्गों का समावेश करता है और इसमें समग्र विकास और प्रगति की दिशा को ध्यान में रखा गया है। मंत्री सिलावट ने आगे कहा कि यह ऐतिहासिक बजट है और भारत सरकार द्वारा जो प्रावधान दिए गए हैं, उनके लिए हम पूरी तरह कृतज्ञ हैं।

अब खाली पड़ी जमीनों पर इंदौर नगर निगम बनाएगा कम्युनिटी हॉल और नए सरकारी स्कूल भवन

झोन 10 के परिसर में भी कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त कक्षों का होगा निर्माण

इंदौर। नगर निगम अब शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में खाली पड़ी जमीनों पर कम्युनिटी हॉल बनाने से लेकर पुराने सरकारी स्कूलों को तोड़कर नए भवन बनाने की तैयारी की है। इसके लिए आज टेंडर भी जारी किए हैं। नगर निगम शाला प्रकोष्ठ द्वारा शहर के कई जर्जर और खतरनाक स्कूल भवनों को तोड़कर उन्हें नया बनाने का काम किया जाता है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से

यह कार्रवाई विभिन्न कारणों के चलते ठप पड़ी थी। अब निगम द्वारा फिर से कार्य शुरू कर दिए गए हैं, ताकि सरकारी स्कूल को तोड़कर पूरी तरह नया बनाया जा सके।

इसी तरह पागनीसपागा के सरकारी स्कूल से लेकर वार्ड 44 के छोटी खजरानी के शासकीय स्कूल के पुराने भवन को तोड़कर नया बनाने और वार्ड 80 के धन्वंतरि नगर के पुराने जर्जर स्कूल भवन को तोड़कर नया बनाने का टेंडर जारी किया गया है। इन स्कूल भवनों को बनाने पर 30 से 50 लाख रुपए तक का खर्च आएगा। दूसरी ओर खातीपुरा के शासकीय स्कूल में रिपेरिंग के कार्य के साथ-साथ बिचौली मर्दाना के सरकारी स्कूल और नया पीठा के उर्दू स्कूल में कई कार्य कराए जाएंगे। निगम अधिकारियों के मुताबिक इसके अलावा झोन 10 के झोनल कार्यालय में कर्मचारियों के लिए नए कक्षों का निर्माण किया जाएगा, ताकि वहां कर्मचारियों के बैठने की पर्याप्त जगह हो सके। कुम्हारखाड़ी में नाग मंदिर के पीछे खाली मंदिर के पीछे कम्युनिटी हॉल बनाने का कार्य भी निगम द्वारा किया जाएगा। इसके अलावा कई अन्य क्षेत्रों में सीमेंटीकरण, फुटपाथों को संवारने के भी टेंडर जारी किए गए हैं। टेंडर की प्रक्रिया पूरी करते ही कई जगह काम शुरू कराए जाएंगे।

7.79 लाख के पार जाएगी सोने की कीमत जेपी मॉर्गन का बड़ा प्रिडिक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सर्राफा बाजार में इन दिनों जो उठापटक दिख रही है, उसने खरीदारों और निवेशकों को दोराहे पर खड़ा कर दिया है। एक तरफ जहां एमसीएक्स पर अप्रैल डिलीवरी वाला सोना 18 फीसदी की ऐतिहासिक गिरावट के साथ गोता लगा रहा है, वहीं दूसरी तरफ दुनिया के सबसे बड़े निवेश बैंकों में शुमार जेपी मॉर्गन की एक रिपोर्ट ने बाजार में खलबली मचा दी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, अभी की यह मंदी महज एक छोटा सा ठहराव है, क्योंकि आने वाले समय में सोने की चमक इतनी तेज होगी कि वह 2,35,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के पार निकल सकता है। बाजार में मची इस भगदड़ के पीछे मुनाफावसूली को बड़ी वजह माना जा रहा है। शादी-ब्याह के लिए गहने खरीदने वाले अब इस असमंजस में हैं कि खरीदारी अभी करें या दाम और गिरने का इंतजार। हालांकि, जेपी मॉर्गन के रणनीतिकारों का नजरिया बिल्कुल अलग है। उनका मानना है कि सोना अब सिर्फ संकट का साथी नहीं रहा, बल्कि लोगों के निवेश का मुख्य हिस्सा बनता जा रहा है। उनके अनुमान के अनुसार, अगर दुनिया भर के निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोने की हिस्सेदारी मामूली रूप से भी बढ़ाते हैं, तो मांग और सीमित सप्लाई के बीच

यह अंतर सोने को अंतरराष्ट्रीय बाजार में 8,500 डॉलर प्रति औंस (करीब 7.79 लाख रुपये) तक ले जा सकता है। दिलचस्प बात यह है कि अब लोग लंबी अवधि के सरकारी बॉन्ड के मुकाबले सोने को ज्यादा सुरक्षित मान रहे हैं। अर्थशास्त्रियों का तर्क है कि सोना किसी सरकार या संस्था की देनदारी नहीं है, इसलिए आर्थिक अस्थिरता के दौर में इसकी अहमियत और बढ़ जाती है। यहां तक कि कई एक्सपर्ट्स तो शेयर बाजार की तेजी को भी सोने के सामने फीका बता रहे हैं। उनका कहना है कि महंगाई के दौर में शेयरों की उछाल केवल एक भ्रम हो सकती है, जबकि असली ताकत सोने की कीमतों में छिपी है। रिपोर्ट में एक और खास बात निकलकर आई है कि खुदरा निवेशक अब डिजिटल करेंसी यानी बिटकॉइन की तुलना में सोने पर कहीं ज्यादा भरोसा जता रहे हैं।

मुंबई देश में सबसे महंगा महानगर

सबसे सस्ते शहरों में इनका नाम, अब दिल्ली भी पैसे वालों की

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ती महंगाई के बीच जारी ताजा रिपोर्ट कॉस्ट ऑफ लिविंग इंडेक्स 2026 में दुनिया के सबसे महंगे शहरों की नई तस्वीर पेश की है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में स्विट्जरलैंड के शहरों ने अमीरी और महंगाई के मामले में कब्जा कर रखा है, वहीं भारत में मुंबई इस साल भी सबसे खर्चीला महानगर बना हुआ है। हालांकि, इस साल दिल्ली ने खर्चीले महानगर के मामले में बेंगलुरु को पीछे छोड़ते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गया।

सर्बिया की डेटा प्लेटफॉर्म कंपनी नंबियो ने दुनिया के 506 शहरों का डाटा जारी किया है। कंपनी हर साल जीवन यापन लागत डाटा जारी करती है। पिछले चार साल(2023-2026 के बीच) के आंकड़ों के आधार पर पाया गया कि दिल्ली में लिविंग इंडेक्स की लागत लगातार बढ़ी है। वर्ष 2023 में दिल्ली का लिविंग इंडेक्स 21.8 पर था, जो इस साल बढ़कर 23.2 पहुंच गया है। वहीं मुंबई का इंडेक्स इस साल 26.3 और बेंगलुरू का 21.9 दर्ज किया गया।

किसको कितनी रैंकिंग रिपोर्ट के अनुसार, स्विट्जरलैंड का ज्यूरिख (118.5) दुनिया का सबसे महंगा शहर बना हुआ है। उसके बाद जेनेवा और बेसल का नंबर है। वहीं न्यूयॉर्क 100 के

स्कोर के साथ सातवें स्थान पर है। इस सूची में मुंबई को 445वें, दिल्ली को 454वें और बेंगलुरू को 457वें स्थान पर रखा गया है। सूचकांक में गुरुग्राम (450) और नोएडा (458) का नाम भी है। बता दें, यह रैंकिंग न्यूयॉर्क सिटी को आधार (100) मानकर बनाई गई है। यानी दिल्ली में रहने की लागत न्यूयॉर्क सिटी से 76.8 फीसदी कम है।

दिल्ली में पिछले चार साल का इंडेक्स बताता है कि यहां बुनियादी सुविधाओं और खान-पान की लागत में लगभग 6.4 फीसदी की वृद्धि हुई है। मुंबई में एक व्यक्ति का औसत मासिक खर्च (बिना किराये के) 30-35 हजार तक है। वहीं दिल्ली में एक परिवार (4 सदस्य) का औसत खर्च 85 से एक लाख के पार पहुंच गया है।

महंगा होने का कारण

दिल्ली का किराया अन्य महानगरों के मुकाबले कम है, लेकिन 2026 में इसमें चार फीसदी की बढ़त देखी गई।

राशन के दामों में पिछले साल के मुकाबले 8-10 प्रति की वृद्धि हुई बिजली, पानी और इंटरनेट के साथ मेट्रो और कैब के बढ़ते खर्चों ने इंडेक्स को ऊपर धकेला है। दिल्ली में औसत सेवा बिल अब चार से छह हजार के बीच में है इंडेक्स रिपोर्ट में आखिरी शीर्ष 10 शहरों में भारत के जगहों का नाम शामिल है। इसमें कोयंबटूर सबसे आखिरी पायदान (479) पर है। इसके बाद लखनऊ, इंदौर, सूरत, जयपुर, कोच्चि, कोलकाता, भोपाल, पटना और भुवनेश्वर हैं। यानी ये भारत के सबसे किफायती शहरों में हैं।

इंजेक्शन लगने के बाद बच्चा ज्यादा रोता है तो क्या करें? डॉक्टर ने बताया आसान तरीका

जन्म के साथ ही शिशु का शरीर नए वातावरण में एडजस्ट करना शुरू करता है। इस स्टेज पर बच्चे का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है, जिससे बैक्टीरिया और वायरस के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए जन्म के तुरंत बाद ही बच्चे को जरूरी वैक्सीन दी जाती हैं। वैक्सीनेशन से बच्चे बीमारियों से बचते हैं, लेकिन कई बार इसके बाद साइड इफेक्ट्स देखने को मिल सकते हैं। जैसे कि जांघ या हाथ पर लगाई गई इंजेक्शन वाली जगह पर सूजन, रेडनेस या दर्द, हल्का बुखार या शरीर पर रैशेज। इन कारणों से बच्चा ज्यादा रोता और चिड़चिड़ा हो जाता है, जिससे माता-पिता के लिए उसे संभालना मुश्किल हो जाता है।

वैक्सीनेशन के बाद बच्चा ज्यादा रो रहा है? करें ये आसान उपाय

इंजेक्शन वाली जगह पर सेंकाई करें

वैक्सीनेशन के बाद अगर बच्चे को सूजन, लालिमा या दर्द महसूस हो रहा है, तो हल्की ठंडी सेंकाई करना फायदेमंद हो सकता है। यह त्वचा को शांत करने और दर्द कम करने में मदद करता है। ध्यान रखें कि सेंकाई के लिए बर्फ का इस्तेमाल न करें और गर्म सेंकाई भी न करें, केवल हल्का ठंडा कपड़ा ही पर्याप्त होता है।

बुखार होने पर सावधानी

वैक्सीनेशन के बाद बच्चे को हल्का या कभी-कभी ज्यादा बुखार आ सकता है। ऐसे में सबसे पहले डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है। डॉक्टर के निर्देशानुसार आप बच्चे को पेरासिटामोल दे सकते हैं, जिससे बुखार और असुविधा में राहत मिलती है। यह ध्यान रखें कि दवा की खुराक बच्चे के वजन और उम्र के अनुसार ही दें।

बच्चे को कंफर्टबल रखें

वैक्सीनेशन के बाद बच्चे अधिक चिड़चिड़े और बेचैन हो सकते हैं। ऐसे में सबसे जरूरी है कि आप उन्हें आरामदायक स्थिति में रखें। बच्चे को सीने से लगाना, धीरे-धीरे सहलाना या उन्हें सुरक्षित महसूस कराने वाले तरीकों से रखना उन्हें शांत करने और आराम दिलाने में मदद करता है। यह न केवल बच्चे के लिए आरामदायक होता है, बल्कि माता-पिता के लिए भी स्थिति संभालना आसान बना देता है।

हाइड्रेटेड रखें

वैक्सीनेशन के बाद बच्चे को हाइड्रेटेड रखना बहुत जरूरी है। इससे उनका शरीर तरल पदार्थ की कमी से बचता है और बुखार या असुविधा कम महसूस होती है। इसके लिए आप बच्चे को बार-बार ब्रेस्टफीडिंग करवा सकते हैं, या यदि बच्चा बॉटल से दूध पीता है तो उसे समय-समय पर दूध दें। हाइड्रेटेड रहने से बच्चा अधिक शांत और आरामदायक महसूस करता है।

डॉक्टर को तुरंत दिखाएं।

यदि वैक्सीनेशन के बाद बच्चे में बहुत ज्यादा बुखार, पूरे शरीर में रैशेज, सांस लेने में तकलीफ या झटके दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। वैक्सीनेशन के बाद हल्का रोना या बेचैनी सामान्य है। लेकिन माता-पिता को धैर्य और सही देखभाल से बच्चे को आराम देने की जरूरत है। सही समय पर सावधानी और डॉक्टर की सलाह से बच्चे का अनुभव सुरक्षित और आरामदायक बनाया जा सकता है।

'बच्चों के लिए घर पर बनाएं हेल्दी सेरेलेक पाउडर, न्यूट्रिशनिस्ट ने शेयर की आसान रेसिपी

आजकल मार्केट में मिलने वाले बेबी फूड में कई तरह के प्रिजर्वेटिव्स, शुगर और साल्ट होते हैं, जो आपके बच्चे की सेहत के लिए अच्छे नहीं हैं। ऐसे में घर पर ही सेरेलेक तैयार करना सबसे सुरक्षित और हेल्दी ऑप्शन है। इंस्टाग्राम व्लॉगर खुशबू राना (जिनके 143च फॉलोअर्स हैं) ने बच्चों के लिए घर पर सेरेलेक बनाने की आसान और हेल्दी रेसिपी शेयर की है।

बेबी फूड क्यों है जरूरी

जन्म से 6 महीने तक बच्चे को मां का दूध सबसे जरूरी है। 6 महीने के बाद बच्चे को धीरे-धीरे ठोस खाना देना शुरू करें।बच्चों का डाइजेस्टिव सिस्टम कमजोर होता है, इसलिए उन्हें आसानी से पचने वाला खाना देना चाहिए।

घर पर सेरेलेक बनाने की सामग्री

50 ग्राम मखाने
7-8 चम्मच पोहा
7-8 चम्मच सादा ओट्स
40 बादाम
40 काजू
थोड़ा देसी घी

यह सभी इंग्रीडिएंट्स बच्चों की ग्रोथ और न्यूट्रिएंट्स की जरूरतों को पूरा करते हैं।

बनाने का तरीका

मखाने भूनना एक बड़े चम्मच देसी घी में मखाने को कुरकुरा होने तक भूनें। क्रंचीनेस चेक करने के लिए हाथ से मसलकर देख लें। पोहे और ओट्स भूनना अलग पैन में पोहे और ओट्स को हल्का भून लें। काजू और बादाम भूनना भुने हुए पोहे और ओट्स में काजू और बादाम डालकर 3-4 मिनट भूनें।

मिक्सिंग और ग्राइंडिंग

सभी इंग्रीडिएंट्स को मिलाकर ठंडा होने दें। मिक्सर ग्राइंडर में पिसकर बारीक पाउडर बना लें। ध्यान रखें कि काजू और बादाम अच्छे से पिस जाएं।

स्टोरेज

तैयार पाउडर को एयरटाइट कंटेनर में रखें। एक बार में ज्यादा मात्रा न बनाएं, क्योंकि हवा लगने से यह जल्दी खराब हो सकता है।

सेरेलेक खिलाने का तरीका

खुशबू अपने बेटे को यही घर का बना सेरेलेक खिलाती हैं। स्वाद बदलने के लिए इसमें कभी-कभी केला या खजूर भी मिलाया जा सकता है। आप बच्चे की पसंद और जरूरत के अनुसार इसमें अन्य हेल्दी इंग्रीडिएंट्स भी डाल सकते हैं।

ध्यान देने योग्य बातें

यह पाउडर बनाते समय सुनिश्चित करें कि सभी इंग्रीडिएंट्स आपके बच्चे के लिए सुरक्षित हैं। पहले सभी इंग्रीडिएंट्स को अलग-अलग खिलाकर एलर्जी टेस्ट कर लें। यदि किसी चीज से एलर्जी नहीं होती है, तभी उसे सेरेलेक में शामिल करें। यह होममेड सेरेलेक बच्चों की ग्रोथ, पाचन और पोषण के लिए एकदम हेल्दी और सुरक्षित विकल्प है।

लेफ्ट-राइट एक्सरसाइज याददाश्त बढ़ाने का बेहद खास तरीका

बच्चे की याददाश्त बचपन से ही तेज कैसे रखी जाए। यह बात सभी अभिभाव सोचते हैं। इसके लिए अधिकतर लोग बेहतर खानपान पर जोर देते हैं पर इतना ही काफी नहीं है। याददाश्त बढ़ाने के लिए आपको बच्चे के साथ कुछ छोटी-छोटी दिमागी कसरतें भी करनी होगीं।

मान लीजिये अगर आप कहीं घूमने गये हैं और वहां किसी रेस्टोरेंट में खाना खाने गए तो लौटकर उससे जुड़े सवाल करें। घर लौटने के बाद आप बच्चे से रेस्टोरेंट से जुड़ी कुछ बातें पूछिए। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि आप जो सवाल बच्चों से पूछें उनके जवाब आपको भी याद हों। जैसे रेस्टोरेंट में आप किस और बैठे थे वहां किस रंग की फोटो लगी थी या उससे जुड़े कोई खास सवाल। ध्यान रहे ये जवाब आप को भी आने चाहिये।

लेफ्ट-राइट एक्सरसाइज याददाश्त बढ़ाने का बेहद खास तरीका है। इसमें बच्चे के सामने कई सारे खिलौने रखे होते हैं और उन्हें उन खिलौनों को दाईं या बाईं ओर रखने के लिए कहा जाता है। उदाहरण के लिए बच्चे को कुछ गेंदें दीजिए और उन्हें दाईं ओर रखी टोकरी में रखने के लिए कहिए। दूसरे दिन भी उसे गेंद को वहीं रखने के लिए कहिए, पर तीसरे दिन गेंदों को बाईं ओर रखने के लिए कह दीजिए। बच्चे का हाथ पहले दाईं ओर ही बढ़ेगा। पर, लगातार इस तरह के एक्सरसाइज से उसकी मानसिक सतर्कता और याददाश्त मजबूत होगी।'जैसा कि आप जानती ही हैं कि अंग्रेजी में दो तरह के अक्षर होते हैं, स्वर और व्यंजन। अब पढ़ाई के बाद आपको बच्चे के साथ इन्हीं वॉवेल से जुड़ा खेल खेलना है। कागज पर एक बॉक्स बनाएं और उसमें अंग्रेजी के कुछ अक्षर लिखें। बच्चे से उन शब्दों को काटने के लिए कहें, जिसमें वॉवेल न हों। इस तरह से बच्चे की अंग्रेजी तो अच्छी होगी ही, उसकी दिमागी एक्सरसाइज भी होगी।

घर के कामों में लगाएं

किचेन में काम करते हुए बच्चे को भी काम में शामिल कीजिए। उन्हें कुकिंग से जुड़े छोटे-छोटे काम करने के लिए बोलें ताकि वो जान जाएं कि कौन-सी चीज कहां रखी है? अब अगले दिन उन्हें फिर से वही चीजें आपको रसोई से लाकर देने के लिए कहें। इससे होगा यह कि आपको पता चलेगा कि चीजें कहां रखी हैं, बच्चे को यह याद भी है या नहीं। जैसे आप बच्चे से प्याज लाने के लिए बोलिए। अगले दिन जब वो

फिर यही काम करेगा तो दिमाग पर जोर डालेगा कि मां ने प्याज कहां रखे थे।

नंबर गेम का कमाल

डिजिट स्पैन मतलब वो एक्सरसाइज जो बच्चे की याददाश्त बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। इसके लिए बच्चे के सामने कुछ अंक बोलिए और उन्हें याद करने के लिए कहिए। अगले दिन बच्चे को आपको वो सारे अंक बताने होंगे। इसके लिए फोन नंबर का इस्तेमाल किया जा सकता है। आप कोई ऐसा नंबर बच्चे के सामने बोलिए जो उसे याद कराना ही हो। अब अगले कुछ दिनों तक बच्चे से वह नंबर नियमित रूप से पूछती रहें। खेल-खेल में उसकी याददाश्त बढ़ेगी।' इस एक्सरसाइज में बच्चा बेडरूम में ही कहीं भी अपना पसंदीदा खिलौना रख कर आएगा और दूसरे दिन उसे वहां से लेकर भी आएगा। वो भूल ना पाए, इसके लिए आपको संकेत देते रहने होंगे। बच्चे से कहिए कि वो बेडरूम की किसी खास ड्राअर में अपना खिलौना रखे। कुछ देर बाद या दूसरे दिन उससे वही खिलौना लाने के लिए बोलें। इस तरह से वो जब भी अपना सामान कहीं रखेगा तो जगह याद रखेगा। दोबारा उसे वो जगह सोचनी नहीं पड़ेगी।'

सबालेंका बनीं ऑस्ट्रेलियन ओपन चैम्पियन

कजाकिस्तान की एलेना ने जीता 25 करोड़ का मैच

मेलबर्न, एजेंसी

मेलबर्न में खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के महिला सिंगल्स फाइनल में कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना ने वर्ल्ड नंबर 1 आर्यना सबालेंका को रोमांचक मुकाबले में हराकर अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीत लिया। यह मैच रॉड लेवर एरिना में खेला गया, जहां दोनों खिलाड़ियों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया, लेकिन अंत में रयबाकिना की शानदार वापसी ने उन्हें विजेता बनाया। इसी के साथ उन्हें एक बड़ी प्राइज मनी मिली।इस मैच ने 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल की याद ताजा कर दी, जहां सबालेंका ने रायबाकिना को हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। अब रायबाकिना ने बदला चुकता कर लिया और अपनी दूसरी ग्रैंड स्लैम जीत दर्ज की। इस मैच में एलेना रायबाकिना ने आर्यना सबालेंका को 6-4, 4-6, 6-4 से हराया। बता दें, एलेना रायबाकिना ने पूरे टूर्नामेंट में अपना पहला सेट ही ड्रॉप किया था, जो इस फाइनल में आया। इसके बावजूद वह जीत हासिल करने में कायमाब रहीं। सबालेंका जो पिछले दो सालों में यहां दो बार चैंपियन रह चुकी हैं, इस बार ट्रिपल क्राउन हासिल नहीं कर सकीं।

एलेना रायबाकिना का दमदार प्रदर्शन

मैच की शुरुआत में रायबाकिना ने मजबूत सर्विस और सटीक ग्राउंडस्ट्रोक्स के दम पर पहला सेट 6-4 से जीता। लेकि दूसरे सेट में सबालेंका ने वापसी की और आक्रामक खेल दिखाते हुए इसे 6-4 से अपने नाम किया। फिर तीसरे सेट में सबालेंका ने शुरुआत में 3-0 की बढ़त बना ली, लेकिन रायबाकिना ने शानदार कमबैक किया। उन्होंने लगातार ब्रेक लेकर स्कोर 5-3 तक पहुंचाया और अंत में 6-4 से सेट जीतकर खिताब अपने नाम किया।इसी के साथ एलेना रायबाकिना ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाली कजाकिस्तान की पहली खिलाड़ी बन गई हैं।

जोकोविच ने अल्काराज के खिलाफ पहला सेट जीता

ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में सर्बिया के नोवाक जोकोविच का सामना स्पेन के कार्लोस अल्काराज से जारी है। यह मैच दिलचस्प हो रहा है। एक तरफ युवा जोश और दूसरी तरफ अनुभव है। पहला सेट जोकोविच ने 6-2 से अपने नाम किया। पहले सेट में जोकोविच ने सर्विस और फॉर हेंड का जबरदस्त दम दिखाया। इसके बाद दूसरे सेट में अल्काराज ने जबरदस्त वापसी की और 6-2 से सेट अपने नाम किया। इसके बाद तीसरे सेट में जोकोविच थके हुए नजर आए और इसका फायदा अल्काराज ने उठाया और 6-3 से जीत हासिल की। अब अल्काराज सातवें ग्रैंडस्लैम से एक सेट दूर हैं। वहीं जोकोविच 25वें ग्रैंडस्लैम की तलाश में हैं। अल्काराज अब तक एक बार भी ऑस्ट्रेलियन ओपन नहीं जीत पाए हैं। अल्काराज की नजर पहला ऑस्ट्रेलयन ओपन खिताब जीतने पर होगी।

जोकोविच इतिहास रचने उतरेंगे

जोकोविच अब 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब से केवल एक जीत दूर हैं। यह उपलब्धि उन्हें टेनिस इतिहास में सबसे ऊंचे स्थान पर ले जा सकती है। न तो महिलाओं में और न ही पुरुषों में किसी ने 25 ग्रैंडस्लैम जीते हैं। महिलाओं में सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम जीतने का रिकॉर्ड मार्ग्रेट कोर्ट के नाम है, जिन्होंने 24 ग्रैंडस्लैम जीते थे। जोकोविच गोल्डन ग्रोन से बस एक खिताब दूर हैं। अल्काराज ने अब तक छह ग्रैंडस्लैम जीते हैं। इनमें ऑस्ट्रेलियन ओपन को छोड़कर बाकी सभी खिताब हैं। अल्काराज पिछले साल भी ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन सिनर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस बार सिनर को जोकोविच सेमीफाइनल में हराकर बाहर कर चुके हैं, जबकि अल्काराज ने सेमीफाइनल में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराया था और अपना दम दिखाया था। यह ऑस्ट्रेलियन ओपन के सबसे दिलचस्प मुकाबलों में से एक माना गया है।

सिहाग ने अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 खिताब जीता

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत की युवा शटलर देविका सिहाग ने रविवार को यहां 250,000 डॉलर इनामी थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में मलेशिया की गोह जिन वेई के मैच के बीच से हट जाने के बाद अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 खिताब जीता। हरियाणा की रहने वाली 20 वर्षीय खिलाड़ी देविका तब 21-8, 6-3 से आगे चल रही थी, जब विश्व में 68वें नंबर की खिलाड़ी और दो बार की विश्व जूनियर चैंपियन गोह ने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया। इससे भारतीय खिलाड़ी अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीतने में सफल रही।

विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर काबिज देविका बेंगलुरु के पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में कोच उमेंद्र राणा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं। इसके साथ ही वह इंडोनेशिया के रहने वाले कोच इरवानस्याह आदि प्रतामा की देखरेख में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के साथ अपने खेल को निखार रही हैं। देविका के लिए फाइनल शानदार रहा लेकिन उनकी प्रतिद्वंदी गोह को पीड़ा झेलनी पड़ी। वह फाइनल से पहले तीन गेम तक चले चार मैच खेलने के बाद थकी हुई लग रही थीं और उन्हें कोर्ट को कवर करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था।

पिछले दो वर्षों से फॉर्म और फिटनेस के लिए संघर्ष कर रही गोह ने शनिवार को भी थकान की शिकायत की थी और उन्हें कोर्ट में चलने-फिरने में परेशानी हो रही थी। उनका बायां पैर हिल नहीं पा रहा था और वह लगातार परेशान दिख रही थीं। देविका ने फाइनल में शानदार शुरुआत की। उन्होंने अपने दमदार रिटर्न और बेहतरीन स्ट्रोक के दम पर 4-0 की बढ़त बना ली। एक नेट कॉर्ड की बदौलत गोह ने अपना पहला अंक हासिल किया। भारतीय खिलाड़ी क्रॉस कोर्ट और सीधे स्मैश लगाने की अपनी क्षमता और साथ ही बड़ी कुशलता से ड्रॉप शॉट लगाने से जल्द ही 9-2 से आगे हो गईं। इंटरवल तक उन्होंने 11-4 की बढ़त हासिल कर ली। गोह का बॉडी स्मैश पहला निर्णायक शॉट था, लेकिन देविका ने उन्हें कोर्ट पर खूब दौड़ाया। मलेशियाई खिलाड़ी भारतीय खिलाड़ी के खेल को समझ ही नहीं पा रही थी। मलेशियाई खिलाड़ी थकी हुई लग रही थी और ऐसा लग रहा था कि उनमें ऊर्जा नहीं बची है। देविका ने शानदार क्रॉस के दम पर 13 गेम प्वाइंट हासिल किए और बैकहैंड क्रॉस से पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में देविका ने जल्द ही 6-3 की बढ़त बना ली। मलेशिया की खिलाड़ी असहज दिख रही थी और उन्होंने आखिर में मैच से हटने का फैसला कर दिया। देविका ने पिछले कुछ समय से शानदार खेल का प्रदर्शन किया है। उन्होंने अगस्त 2025 में मलेशिया इंटरनेशनल में अपना पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने 2025 में विश्व विश्वविद्यालय खेलों में भारत की मिश्रित टीम को कांस्य पदक दिलाने में अहम योगदान दिया।

ट्रंप के बदल गए तेवर,अब बोले- 'ईरान कर रहा है बातचीत, देखेंगे हम क्या कर सकते हैं'

ईरान को बार-बार धमकी देने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेवर अब बदले-बदले नजर आ रहे हैं। हाल ही में फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, "ईरान हमसे बात कर रहा है...देखते हैं हम क्या कर सकते हैं, नहीं तो देखेंगे क्या होता है।" उन्होंने आगे कहा कि ईरान नेगोशिएट कर रहा है और अमेरिका एक बड़ा फ्लीट भी भेज रहा है। यह बयान ऐसे समय आया है जब पिछले कुछ हफ्तों से अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर था, जिसमें सैन्य हमले की धमकियां और खाड़ी में अमेरिकी नौसेना की भारी तैनाती शामिल थी।

ट्रंप ने पहले ईरान को कड़ी चेतावनी दी थी कि उसके परमाणु कार्यक्रम पर कोई समझौता नहीं हुआ तो 'समय खत्म हो रहा है' और अगला हमला पिछले साल जून में हुए हमलों से कहीं ज्यादा विनाशकारी होगा। उन्होंने ईरान से 2 मुख्य मांगें रखी थीं पहली परमाणु हथियार कार्यक्रम को बंद करना और उसकी निगरानी दूसरी विरोध प्रदर्शनों में लोगों की हत्या बंद हो। ईरान में दिसंबर 2025 से शुरू हुए बड़े विरोध प्रदर्शनों के दौरान हजारों मौतों की खबरें आई थीं, जिसके बाद ट्रंप ने सख्त रुख अपनाया था।

अमेरिका ने ईरान पर दबाव बनाने के लिए एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन को मध्य पूर्व में तैनात किया है। ईरान की ओर से भी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी कहा है कि अगर नेगोशिएशन फेयर और इक्विटेबल हों तो ईरान तैयार है। उन्होंने डिप्लोमेसी को ही रास्ता बताया, हालांकि ईरान ने अमेरिकी धमकियों के खिलाफ अपनी डिफेंसिव तैयारियां भी तेज की हैं। वैसे देखा जाए तो ट्रंप के तेवर में बदलाव कई वजहों से हो सकता है। एक ओर क्षेत्रीय देश जैसे तुर्की, मिस्र, पाकिस्तान और गल्फ राष्ट्र डिप्लोमेटिक प्रयास कर रहे हैं ताकि संघर्ष को टाला जा सके।

जनवरी में सिर्फ दो दिन साफ हवा में सांस ले सके दिल्ली वाले, टूटा पिछले साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी।
साल के पहले महीने जनवरी में सिर्फ दो दिन दिल्ली की हवा साफ रही। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़े बताते हैं कि महीने के 29 दिनों में लोगों को प्रदूषित हवा में सांस लेनी पड़ी। इसमें से भी दो दिन तो ऐसे रहे जब वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के ऊपर यानी गंभीर श्रेणी में पहुंच गया।

जहरीली हवा ने किया परेशान: राजधानी दिल्ली में जाड़े का यह मौसम प्रदूषण के लिहाज से खासा परेशान करने वाला रहा है। मानसून की वापसी के बाद से ही प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगा और 14 अक्तूबर से हवा खराब श्रेणी में चली गई। इसके बाद लगभग 102 दिन तक वायु गुणवत्ता का स्तर खराब, बेहद खराब, गंभीर या फिर अति गंभीर श्रेणी में ही रहा। दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में हुई अच्छी बारिश के बाद 24 और 25 तारीख को वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 से नीचे आया। इसके बाद से फिर हवा खराब या बहुत खराब श्रेणी में ही चल रही है। पिछले वर्ष भी जनवरी महीने में सिर्फ दो दिन हवा साफ रही थी। पर पिछले वर्ष जनवरी में गंभीर श्रेणी की हवा वाला कोई दिन नहीं था। इस तरह इस साल जनवरी का महीना पिछले साल से ज्यादा प्रदूषित है।

हवा धीमी होने से बढ़ रहा प्रदूषण: हवा की गति कम होने के चलते पिछले दो दिनों से प्रदूषण के स्तर में बढ़ोतरी हो रही है। सीपीसीबी के मुताबिक शनिवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 315 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को बहुत खराब श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले शुक्रवार को यह सूचकांक 253 के अंक पर रहा था। यानी चौबीस घंटे के अंदर सूचकांक में 62 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों का सूचकांक 300 से ऊपर है। जबकि, नेहरू नगर का सूचकांक शनिवार को चार बजे 408 के अंक पर यानी गंभीर श्रेणी में पहुंच गया।

तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लागू, घरेलू सिगरेट उद्योग में आ सकती है गिरावट

नई दिल्ली , एजेंसी।
तंबाकू उत्पादों और सिगरेट पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर आज से लागू हो जाएगा। यह अतिरिक्त शुल्क या स्वास्थ्य उपकर 40 प्रतिशत के उच्चतम जीएसटी से अतिरिक्त होगा। यह उपकर मौजूदा 28 प्रतिशत जीएसटी और मुआवजा उपकर का स्थान लेगा, एक जुलाई, 2017 से लागू था।

एक फरवरी से तंबाकू उत्पादों के लिए एक नया अधिकतम खुदरा मूल्य यानी एमआरपी आधारित मूल्यांकन तंत्र पेश किया जाएगा, जिसके तहत घोषित खुदरा बिक्री मूल्य के आधार पर पैकेज पर जीएसटी निर्धारित किया जाएगा।

पान मसाला निर्माताओं को स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून के तहत नए पंजीकरण के लिए आवेदन करना होगा। उन्हें सभी पैकिंग मशीनों पर कार्यशील सीसीटीवी स्थापित करना होगा और उसकी फुटेज को 24 महीने तक सुरक्षित रखना होगा। संशोधित केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम के अनुसार, सिगरेट की लंबाई के आधार पर प्रति स्टिक 2.05-8.50 रुपये का उत्पाद शुल्क लगाया जा सके। छोटी नान-फिल्टर

सिगरेट पर लगभग 2.05 रुपये प्रति स्टिक का अतिरिक्त शुल्क लगेगा, जबकि छोटी फिल्टर सिगरेट पर लगभग 2.10 रुपये प्रति स्टिक का शुल्क लगेगा।

क्रिसिल रेटिंग्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगले वित्त वर्ष में अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगने के बाद घरेलू सिगरेट उद्योग में 6-8 प्रतिशत की गिरावट देखी जा सकती है। तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क से प्राप्त राजस्व राज्यों में वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार वितरित किया जाएगा।

एसडब्ल्यूएटी कमांडो की हत्या की इनसाइड स्टोरी

27 लाख रूपये के लोन की ईएमआई और रोज के झगड़े

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल में तैनात एक महिला एसडब्ल्यूएटी कमांडो की हत्या मामले में नया मोड़ सामने आया है। पुलिस ने कमांडो काजल चौधरी की हत्या की गुत्थी सुलझा दी है। पुलिस जांच में यह साफ हो गया है कि यह हत्या महज गुस्से का नतीजा नहीं थी, बल्कि इसके पीछे 27 लाख रुपये का होम लोन और उसकी ईएमआई का विवाद था। पुलिस के मुताबिक, जिस फ्लैट की किश्तें सुकून छीन रही थीं, उसी को लेकर हुए झगड़े ने काजल की जान ले ली।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, काजल और उनके पति अंकुर ने द्वारका मोड़ इलाके में एक घर खरीदा था। इसके लिए दंपति ने 27 लाख रुपये का लोन लिया था।

उत्तर भारत में मौसम का उलटफेर: दिल्ली-यूपी में झमाझम बारिश

शीतलहर जमा रही शरीर; हिमाचल-कश्मीर में भारी बर्फबारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से उत्तर भारत के मौसम में बड़ा बदलाव आया है। जहां मैदानी इलाकों में बारिश और गरज-चमक का दौर जारी है, वहीं हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। आज रात से ही यूपी और दिल्ली में बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने कई राज्यों में येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें बारिश, आंधी, बर्फबारी और कोहरे की चेतावनी शामिल है। दिल्ली और आसपास के इलाकों में से ही हल्की से मध्यम बारिश हो रही है। वहीं यह एक दो दिन जारी रहने की संभावना है, साथ ही गरज-चमक और तेज हवाएं (30-50 किमी/घंटा) चल सकती हैं। सुबह के समय कोहरा भी छाया रह सकता है। अधिकतम तापमान 18-20 डिग्री और न्यूनतम 11-13 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। येलो अलर्ट जारी है, जिससे ट्रैफिक और उड़ानों में व्यवधान संभव है।

यूपी में रात से ही बारिश हो रही है। शीतलहर ने सर्दी बढ़ा दी है। यूपी के कई जिलों में आज और अगले 2-3 दिनों तक बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। पूर्वी और

पश्चिमी यूपी में गरज के साथ बारिश, जबकि कुछ इलाकों में घना कोहरा छाया रहेगा। तापमान में गिरावट से ठंड बढ़ेगी।

हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भारी बर्फबारी पहाड़ों पर मौसम का कहर जारी है। हिमाचल (मनाली, शिमला आदि) और कश्मीर घाटी में भारी बर्फबारी से सड़कें बंद, बिजली-पानी की सप्लाई प्रभावित। कई जगहों पर 900+ सड़कें बंद हैं, और एवलांच का खतरा भी बढ़ गया है। ऊंचाई वाले इलाकों में भारी हिमपात का अलर्ट है, जो पर्यटकों के लिए खूबसूरत लेकिन चुनौतीपूर्ण नजारे पेश कर रहा है। दोनों राज्यों में शीतलहर और घना कोहरा लोगों को परेशान कर रहा है। सुबह और रात में दृश्यता बहुत कम रह सकती है, जिससे सड़क हादसों का खतरा बढ़ गया है। कुछ इलाकों में हल्की बारिश भी हो सकती है, लेकिन मुख्य रूप से ठंड और कोहरे का प्रकोप है। न्यूनतम तापमान 4-7 डिग्री तक गिर सकता है।

ईरान नहीं अब वेनेजुएला से तेल खरीदेगा भारत, ट्रंप का बड़ा दावा

वाशिंगटन , एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने तेल खरीदने को लेकर फिर से एक बार नया बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि यदि चीन वेनेजुएला का तेल खरीदना चाहता है तो उसका स्वागत है। भारत ने पहले ही तेल खरीदने की डील कर ली है।

एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, चीन का स्वागत है, वह आए और तेल पर एक शानदार डील करे। हमने पहले ही एक डील कर ली है। भारत आ रहा है और वे ईरान से खरीदने के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेंगे। तो, हमने पहले ही डील का कॉन्सेप्ट बना लिया है। भारत सरकार ने अभी तक ट्रंप की टिप्पणियों पर कोई जवाब नहीं दिया है। इससे पहले, ट्रंप ने कहा था कि वेनेजुएला ने अमेरिका को 5.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के 50 मिलियन बैरल तेल की पेशकश की है और उन्होंने इस डील पर सहमति दे दी है। सदर्न बुलेवार्ड का नाम बदलकर डोनाल्ड ट्रंप बुलेवार्ड रखने पर प्रेस को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, हम नए राष्ट्रपति के साथ डील कर रहे हैं। हम देश चलाने वाले बहुत से लोगों के साथ डील कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि हमारे पास 50 मिलियन बैरल तेल है और हमें इसे तुरंत प्रोसेस करवाना है क्योंकि हमारे पास जगह नहीं है। क्या आप इसे लेंगे? मैंने कहा, हम इसे लेंगे। यह 5.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है।

ट्रंप ने वेनेजुएला की अंतरिम सरकार के साथ अच्छे संबंधों की भी तारीफ की है। उन्होंने कहा, हमारे उन लोगों के साथ बहुत अच्छे संबंध रहे हैं जो अभी अंतरिम राष्ट्रपति हैं और बाकी सभी के साथ भी। बहुत सारा दबाव कम हो गया है।

रेवन्यू अमेरिकी सरकार के अकाउंट में रखा जा रहा है?: मादुरो को पकड़े जाने के बाद, ट्रंप ने यह साफ कर दिया था कि वाशिंगटन ट्रांजिशन के दौरान वेनेजुएला को चलाएगा और उसे उनके देश में तेल और दूसरी चीज़ों तक पूरी पहुंच चाहिए। ट्रंप की टिप्पणियों से न्यूयॉर्क स्थित न्यूज़ आउटलेट सेमाफोर की हालिया रिपोर्ट की भी पुष्टि होती है कि अमेरिका ने 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के वेनेजुएला के तेल की पहली बिक्री की है। सेमाफोर रिपोर्ट के अनुसार, प्रशासन के एक अधिकारी के मुताबिक,आदेश में बताए अनुसार, तेल बिक्री से होने वाला रेवेन्यू फिलहाल अमेरिकी सरकार द्वारा नियंत्रित बैंक अकाउंट्स में रखा जा रहा है। दूसरे वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के अनुसार, मेन अकाउंट कतर में है।

जारी की गई तस्वीर में जेट टेकऑफ से ठीक पहले रनवे पर खड़ा दिख रहा है

चीन ने दिखाया दुनिया का पहला छठी पीढ़ी का फाइटर जेट, अमेरिका केएफ-35 से ज्यादा खतरनाक?

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने दुनिया के पहले छठी पीढ़ी के फाइटर जेट की तस्वीर सार्वजनिक कर दी है। यह जेट बेहद आधुनिक, बड़ा और ताकतवर माना जा रहा है। इसे चीन की कंपनी चेंगदू एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन विकसित कर रही है। जारी की गई तस्वीर में यह जेट टेकऑफ से ठीक पहले रनवे पर खड़ा दिख रहा है।

इस विमान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें तीन इंजन लगे हैं। बीच वाला इंजन बाकी दो इंजनों से बड़ा है, जिससे इसे ज्यादा ताकत, स्पीड और लंबी रेंज मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह डिजाइन दुनिया के किसी भी मौजूदा फाइटर जेट से अलग और बेहद उन्नत है।

नाम, आकार और रेंज — क्यों है यह खास?: मिलिट्री वॉच मैग्जीन के अनुसार, यूरोप में इस जेट को छ्र-36 या छ्र-ङ्ङ कहा जा रहा है। माना जा रहा है कि इसका कॉन्फिग्रेशन बेहद एडवांस होगा। इसे दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे खतरनाक फाइटर जेट बताया जा रहा है। इसकी अनुमानित रेंज लगभग 8,000 किलोमीटर हो सकती है।

यह बिना रीफ्यूलिंग के 4,000 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक टारगेट पर हमला कर सकता है। प्रशांत महासागर के ऊपर लंबी दूरी की मिशन उड़ानों के लिए यह बेहद उपयोगी हो सकता है। नई तस्वीर में इसमें ट्विन मेन लैंडिंग गियर (दो मुख्य पहिया सेट) दिख रहे हैं, जो इसके बड़े आकार और भारी वजन की ओर इशारा करते हैं। अमेरिका के लिए बना था ऐसा इंजन – चीन ने अपनाया यह विमान उन चार प्रोटोटाइप में से एक है, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्होंने उड़ान परीक्षण (फ्लाइट टेस्टिंग) शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि इस तरह का एडवांस्ड एडेप्टिव इंजन पहले अमेरिका अपने ख्र-35 फाइटर जेट को अपग्रेड करने के लिए बना रहा था, जिसे एडेप्टिव इंजन ट्रांजिशन प्रोग्राम कहा जाता था। बहुत ज्यादा होने के कारण अमेरिका ने इसे रद्द कर दिया। चीन ने इसी तरह की तकनीक को अपनाकर अपने नए जेट में इस्तेमाल किया है।